भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 22 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) 22-26 अगस्त, 2025 तक उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
ii) 28 अगस्त तक गुजरात और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 22 और 23 अगस्त, 2025 को पूर्वी राजस्थान में भी कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
iii) पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव के कारण, 22 अगस्त को झारखंड और ओडिशा में भारी से बहुत भारी वर्षा और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 22 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है
- पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, नागालैंड, असम, गुजरात क्षेत्र और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति के निकट चल रही है।
- पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकते हुए मध्य क्षोभमंडल स्तर तक विस्तृत है।
- दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक और ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और यह ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकते हुए मध्य क्षोभमंडल स्तर तक विस्तृत है।
- 25 अगस्त 2025 के आसपास ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी और मध्य भारत:

- झारखंड और ओडिशा में 22 अगस्त को अत्यंत भारी वर्षा की संभावना है।

- अगले 6-7 दिनों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में; 22-26 अगस्त के दौरान ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल में; 27 और 28 अगस्त को विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; पश्चिम मध्य प्रदेश, बिहार में 22 और 23 अगस्त को; गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल में 22 अगस्त को, झारखंड में 23 अगस्त को और छत्तीसगढ़ में 23 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों में इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- पूर्वी राजस्थान में 22 और 23 अगस्त को अत्यंत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान में; हरियाणा में 22-27 अगस्त; उत्तर प्रदेश में 22-25 अगस्त; पंजाब में 23-26 अगस्त; जम्मू और कश्मीर में 23 और 24 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; पूर्वी राजस्थान में 24-26 अगस्त; हरियाणा में 23 अगस्त; उत्तराखंड में 22-24 अगस्त; पश्चिमी राजस्थान में 22-25 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- उत्तरी गुजरात में 23 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। 25 अगस्त से गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा का नया दौर।
- कोंकण में 25 अगस्त को, मध्य महाराष्ट्र में 26 अगस्त को भारी वर्षा; कोंकण और गोवा में 26-28 अगस्त और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 27 और 28 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों में गुजरात तट पर और 25 और 26 अगस्त को महाराष्ट्र तट पर तेज सतही हवाएं (40-50 किमी/घंटा) की संभावना है।
- अगले 7 दिनों में इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 22-27 अगस्त और अरुणाचल प्रदेश में 22-25 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 2 दिनों में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक, केरल में 26-28 अगस्त; तटीय आंध्र प्रदेश में 22, 26 और 27 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- तमिलनाडु, तेलंगाना में 22 और 23 अगस्त को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और आंतरिक कर्नाटक में अगले 5 दिनों में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 22 अगस्त से 27 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

अरब सागर:

- सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ; मध्य अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में; उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 23 से 27 अगस्त तक; दक्षिण गुजरात तटों के साथ और उसके आसपास 22 से 27 अगस्त तक; महाराष्ट्र तटों के पास 24 से 26 अगस्त तक और महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और उत्तरी केरल तटों पर 26 अगस्त को न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के साथ और उसके आसपास 22 से 24 अगस्त तक; पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 26 अगस्त को न जाएँ।

ii. 22 से 25 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ❖ **पूर्वी राजस्थान:** सवाईमाधोपुर तहसील एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 25; पाटन (जिला बूंदी) 21; बिजोलिया एसआर (जिला भीलवाड़ा) 17; चौथकाबरवाड़ा एसआर (जिला सवाई माधोपुर), डेगोद एसआर (जिला कोटा) 15 प्रत्येक; लाडपुरा एसआर (जिला कोटा) 14; कोटा-एयरो (जिला कोटा), मालेराइनादुंगर एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 13 प्रत्येक; भुंगरा एसआर (जिला बांसवाड़ा) 12; किशनगंज (जिला बारां) 11; मांगरोल (जिला बारां), अंता एसआर (जिला बारां) 10 प्रत्येक; बांसवाड़ा एसआर (जिला बांसवाड़ा), जहाजपुर (जिला भीलवाड़ा), तलेरा एसआर (जिला बूंदी), खंडार एसआर (जिला सवाई माधोपुर), पिपलदा एसआर (जिला कोटा) 9 प्रत्येक; बारां (जिला बारां), बड़ेसर एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), निंबाहेड़ा (जिला चित्तौड़गढ़), अरनोद एसआर (जिला प्रतापगढ़) 8 प्रत्येक; धंबोला (जिला डूंगरपुर), उदयपुर/डी-एयरो (जिला उदयपुर) 7 प्रत्येक;
- ❖ **असम और मेघालय:** मावसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 19; चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 11; चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स), खानपारा (जिला कामरूप मेट्रोपॉलिटन) 10 प्रत्येक; शेल्ला (जिला पूर्वी खासी हिल्स), मावकिरवट (जिला दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स) 9 प्रत्येक; रंगिया (जिला कामरूप (ग्रामीण)), नोंगस्टीन (जिला पश्चिम खासी हिल्स) 7 प्रत्येक;
- ❖ **गांगेय पश्चिम बंगाल**: पानागढ़ (आईएएफ) (जिला पश्चिम बर्धमान) 19; लबपुर (जिला बीरभूम) 13; मंटेश्वर (जिला पूर्व बर्धमान) 12; बर्दवान पीटीओ (जिला पूर्व बर्धमान) 11; बांकुड़ा (सीडब्ल्यूसी) (जिला बांकुड़ा), कांदी (जिला मुर्शिदाबाद), बेहरामपुर (जिला मुर्शिदाबाद), सागर आइलैंड पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 10 प्रत्येक; कैनिंग (जिला दक्षिण 24 परगना) 8; रामपुरहाट (डीआरएमएस) (जिला बीरभूम), बांकुड़ा (जिला बांकुड़ा), मंकर (जिला पूर्व बर्धमान), बर्नपुर (जिला पश्चिम बर्धमान), आसनसोल (जिला पश्चिम बर्धमान) 7 प्रत्येक;
- ❖ **झारखंड**: गोइलकेरा (जिला पश्चिम सिंहभूम) 16; कुरु (जिला लोहरदगा) 13; नंदाडीह (जिला गिरिडीह), बाउ कांके (जिला रांची), घाघरा (जिला गुमला) 9 प्रत्येक; बरकीसुरिया (जिला गिरिडीह) 8;
- ❖ **पश्चिम मध्य प्रदेश**: बड़ोदा (जिला श्योपुर) 15; जावरा (जिला रतलाम), करहाल (जिला श्योपुर) 10 प्रत्येक; मनासा (जिला नीमच) 9; श्योपुर-एडब्ल्यूएस (जिला श्योपुर) 8; जवाद (जिला नीमच) 7;
- ❖ **ओडिशा**: टैंसा (जिला सुंदरगढ़) 14; देओगांव (जिला झारसुगुड़ा) 13; झारसुगुड़ा (जिला झारसुगुड़ा) 11; लायकेरा (जिला झारसुगुड़ा), किरमिरा (जिला झारसुगुड़ा) 10 प्रत्येक; गुरुंडिया (जिला सुंदरगढ़), लेफ्रिपारा (जिला सुंदरगढ़) 8 प्रत्येक; बुरला (जिला संबलपुर), स्वाम-पटना (जिला केंझरगढ़), कालिंगा (जिला कंधमाल) 7 प्रत्येक;
- ❖ **बिहार**: त्रिबेनी/बाल्मीकि नगर (जिला पश्चिम चंपारण), पिरो (जिला भोजपुर) 14 प्रत्येक; चरपोखरी (जिला भोजपुर), रोहतास (जिला रोहतास) 8 प्रत्येक; गढ़नी (जिला भोजपुर), बेलागंज (जिला गया) 7 प्रत्येक;
- ❖ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: दमदिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 13; कुमारग्राम (जिला अलीपुरद्वार) 10; रायदाक टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), सांकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 9 प्रत्येक; मायनागुड़ी कॉलेज (जिला जलपाईगुड़ी), न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार), तूर्सा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक;
- ❖ **पश्चिम राजस्थान:** देसूरी (जिला पाली), एरिनपुरा/जवाई डैम (जिला पाली) 10 प्रत्येक; जालौर (जिला जालौर) 9; सोजत (जिला पाली) 8; अहोर एसआर (जिला जालौर) 7;
- ❖ **छत्तीसगढ़**: तमनार (जिला रायगढ़) 9;
- ❖ **गुजरात क्षेत्र:** परदी (जिला वलसाड) 9; धरमपुर (जिला वलसाड) 7;

❖ **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: जौनपुर सीडब्ल्यूसी (जिला जौनपुर) 8; त्रिमोहनी घाट एफएमओ (जिला महराजगंज), निघासन (जिला खीरी), महराजगंज (जिला महराजगंज) 7 प्रत्येक;

❖ **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा**: त्सेमिन्यू एनएसडीएमए एडब्ल्यूएस (जिला कोहिमा) 7

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	**Subdivision**	**22- Aug**	**23- Aug**	**24- Aug**	**25- Aug**	**26- Aug**	**27- Aug**	**28- Aug**
		Day 1	**Day 2**	**Day 3**	**Day 4**	**Day 5**	**Day 6**	**Day 7**
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	SCT
14	PUNJAB	FWS	WS	WS	FWS	WS	WS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	WS	FWS	WS	SCT	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

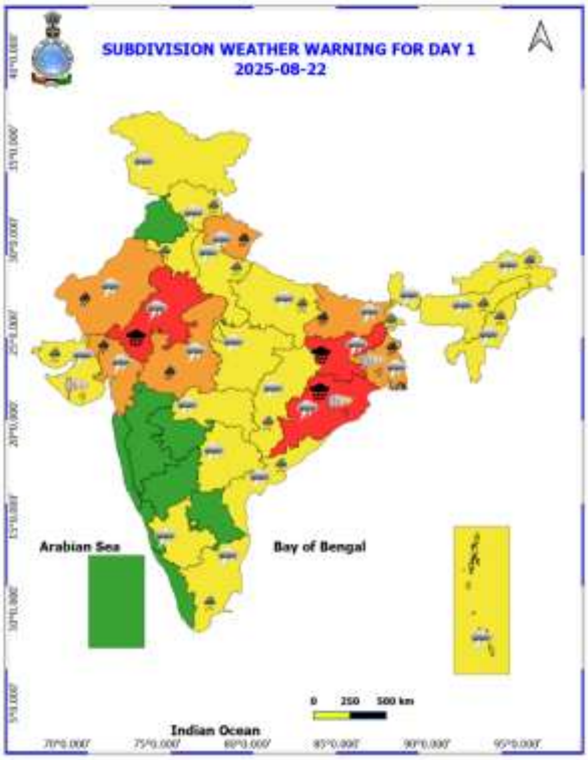
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-22
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

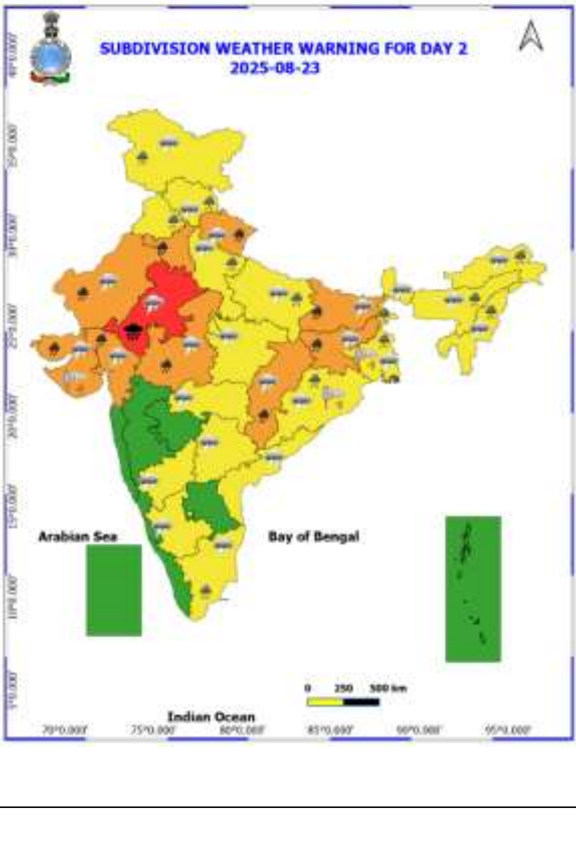
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-23
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

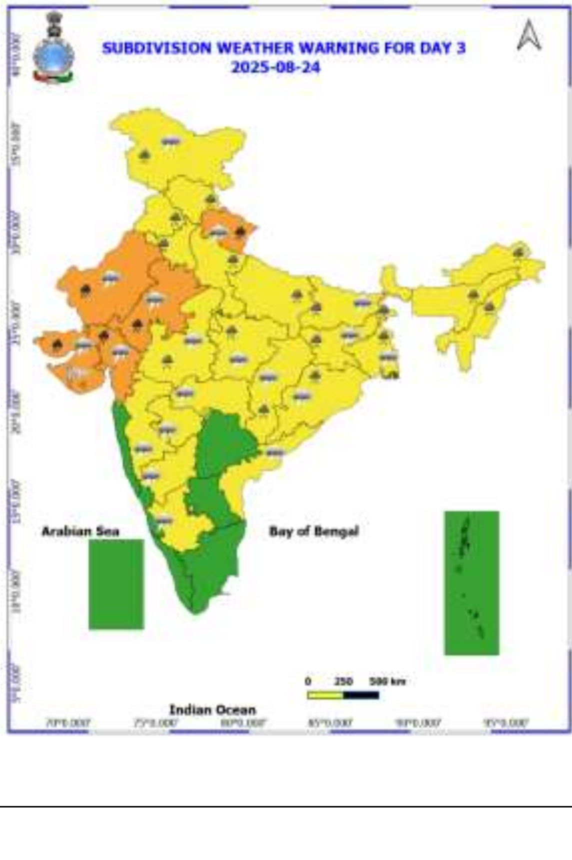
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

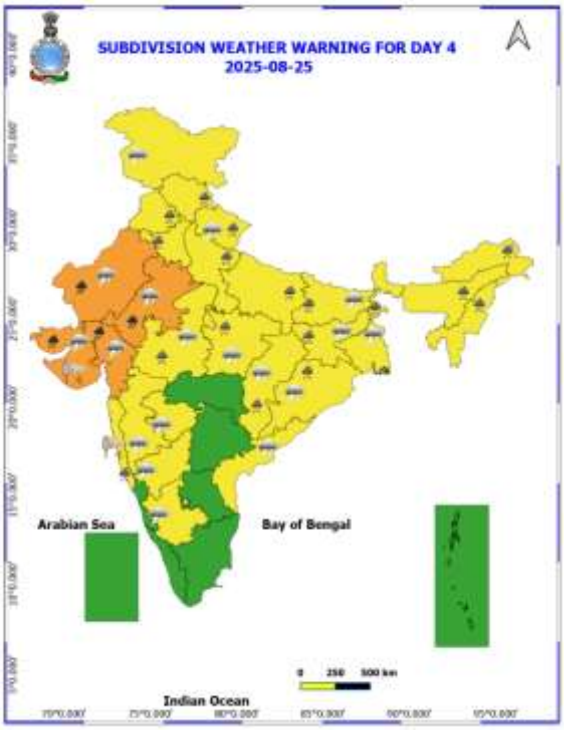

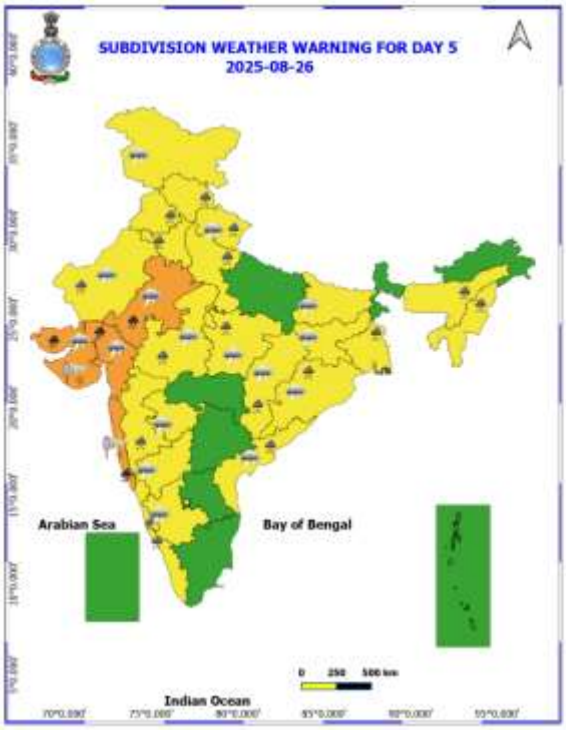

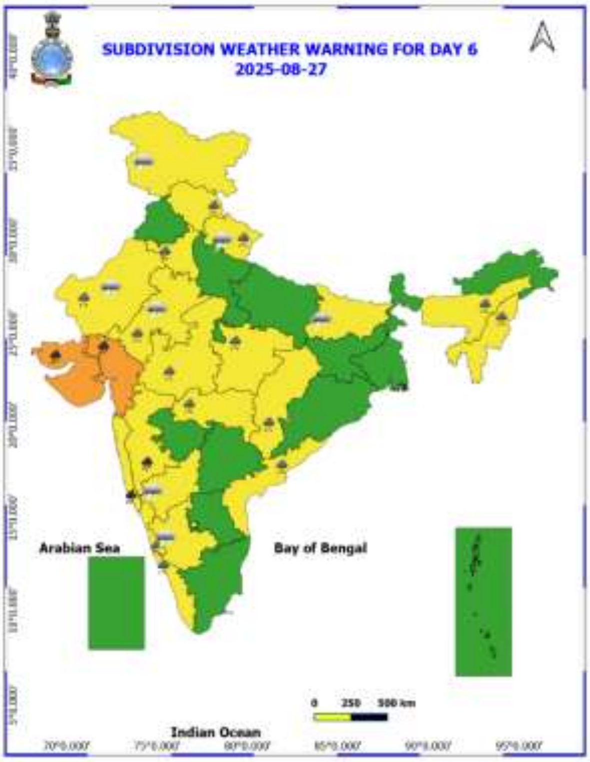

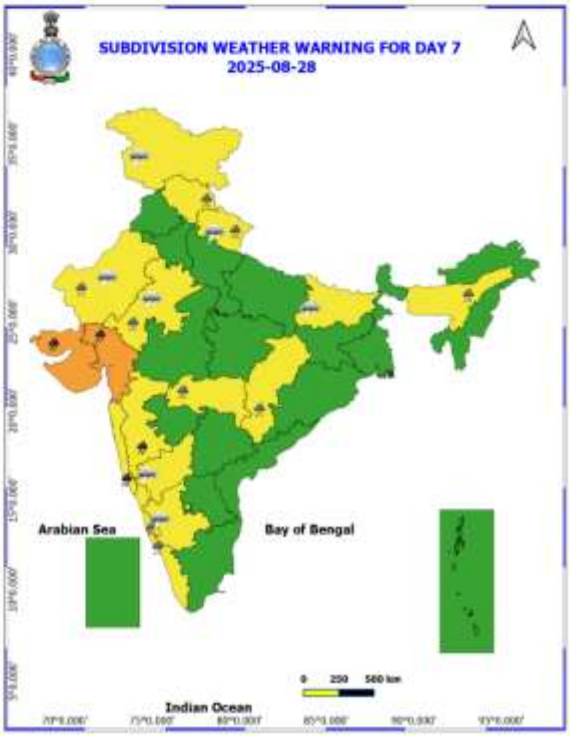

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 22 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं देखा गया। न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। उत्तर-पूर्वी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 17 किमी/घंटा तक थी। आज सुबह के समय सामान्य रूप से बादल छाए रहे और पूर्वी दिशा से 5-10 किमी/घंटा की गति वाली हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

22.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम की ओर कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रमुख सतही हवा दोपहर, शाम और रात के दौरान पूर्वी दिशा से 10-15 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी।

23.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना, कुछ एकांत स्थानों पर तीव्र बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। प्रमुख सतही हवा सुबह के समय पूर्वी दिशा से 05-10 किमी/घंटा और दोपहर, शाम और रात के दौरान पूर्वी दिशा से 10-15 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी।

24.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना, कुछ एकांत स्थानों पर तीव्र बारिश की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। प्रमुख सतही हवा सुबह और दोपहर के दौरान पूर्वी दिशा से 10-15 किमी/घंटा और शाम और रात के दौरान पूर्वी दिशा से 05-10 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी।

25.08.2025: सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। प्रमुख सतही हवा सुबह के समय पूर्वी दिशा से 10-15 किमी/घंटा की गति के साथ चलेगी। यह दोपहर, शाम और रात के दौरान पूर्वी दिशा से धीरे-धीरे बढ़कर 15-20 किमी/घंटा की गति तक पहुँच सकती है।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 22 अगस्त को झारखंड और ओडिशा में; 22 और 23 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 22 से 28 अगस्त के दौरान गुजरात राज्य में; 22 और 23 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार में; 22 को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों में; 23 को झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा में; 24 से 26 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में; 22 से 24 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 22 से 25 अगस्त के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 26 से 28 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में और 27 और 28 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में भारी वर्षा हो सकती है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में अमन धान और सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें और मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए उन्हें प्लास्टिक से ढक दें। गांगेय पश्चिम बंगाल में, लैटेराइट और लाल मृदा क्षेत्र में धान और मूंगफली के खेतों में; नवीन जलोढ़ क्षेत्र में धान और सब्ज़ियों के खेतों में तथा तटीय लवणीय क्षेत्र में सब्ज़ियों की क्यारियों, खड़ी सब्ज़ियों की फ़सलों और पान के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ओडिशा में, पूर्वी और दक्षिण पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र में मूंग, उड़द, गन्ना एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, उड़द और सब्जियों के खेतों से; उत्तर पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र में धान एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; पश्चिम मध्य पठारी क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से तथा उत्तर पूर्वी पठारी क्षेत्र में धान, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रावधान करें।
- बिहार में, दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र में अरहर, हल्दी, शकरकंद, सूरजमुखी और मक्का जैसी खड़ी फसलों के साथ-साथ सब्जियों की नर्सरियों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, उड़द, मूंग, कंद फसलों और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।

- मध्य प्रदेश में, मालवा पठार क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, उड़द, मक्का, कपास और सब्जियों के खेतों में; क्यमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र में धान, सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में तथा गिर्द क्षेत्र में धान, मक्का, सोयाबीन, मूंग, अरहर और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएँ प्रदान करें।
- गुजरात में, भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों, सब्जियों और नए फलों के पौधों को सहारा प्रदान करें। दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, तिल, उड़द और मूंग के खेतों से; भाल और तटीय क्षेत्र में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियां के खेतों से; मध्य गुजरात क्षेत्र में धान, बाजरा, अरहर और कपास के खेतों से तथा उत्तर गुजरात क्षेत्र एवं उत्तर पश्चिम क्षेत्र में अरंडी, कपास, मूंगफली, बाजरा और तिल के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- पूर्वी राजस्थान में, बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र में बाजरा, तिल, उड़द और सब्जियों के खेतों से; अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र में मूंगफली, मूंग, मोठ, लोबिया और बाजरा के खेतों से; दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र में धान, मक्का, सोयाबीन, उड़द और मूंगफली के खेतों से; उप-आर्द्र दक्षिणी मैदानी और अरावली पर्वतीय क्षेत्र में मक्का, मूंग और सोयाबीन के खेतों से तथा दक्षिणी आर्द्र मैदानी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का, कपास और धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। पश्चिमी राजस्थान में, शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में तिल, मोठ, बाजरा, मूंग और ग्वार की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने का प्रावधान करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटरों की कटाई करें और मक्का, राजमा, सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में; उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में सनवा, रागी और मूंग के खेतों में तथा भाबर और तराई क्षेत्र में धान, मूंग, उड़द, गन्ना, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल की निकासी करें। उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग के खेतों में तथा मध्य मैदानी क्षेत्र में गन्ना, मक्का और कपास के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- हरियाणा में, पूर्वी क्षेत्र में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- मेघालय में अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें। धान के खेतों में रोपाई के बाद 2 से 3 सेंटीमीटर स्थिर जल की परत बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और 5 से 7 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखें। रागी, केला और सब्जियों में जल निकासी चैनल बनाए रखें। कटाव रोकने और अंकुरों को बह जाने से रोकने के लिए बाजरा के खेतों में मेड़ों को मजबूत करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

23-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान - बारां, बूंदी, बांसवाड़ा, झालावाड़, प्रतापगढ़, उदयपुर, डूंगरपुर, सवाईमाधोपुर, टोंक और कोटा जिले। पश्चिमी मध्य प्रदेश - श्योपुर, शिवपुरी, गुना, मंदसौर, रतलाम और आगर मालवा जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	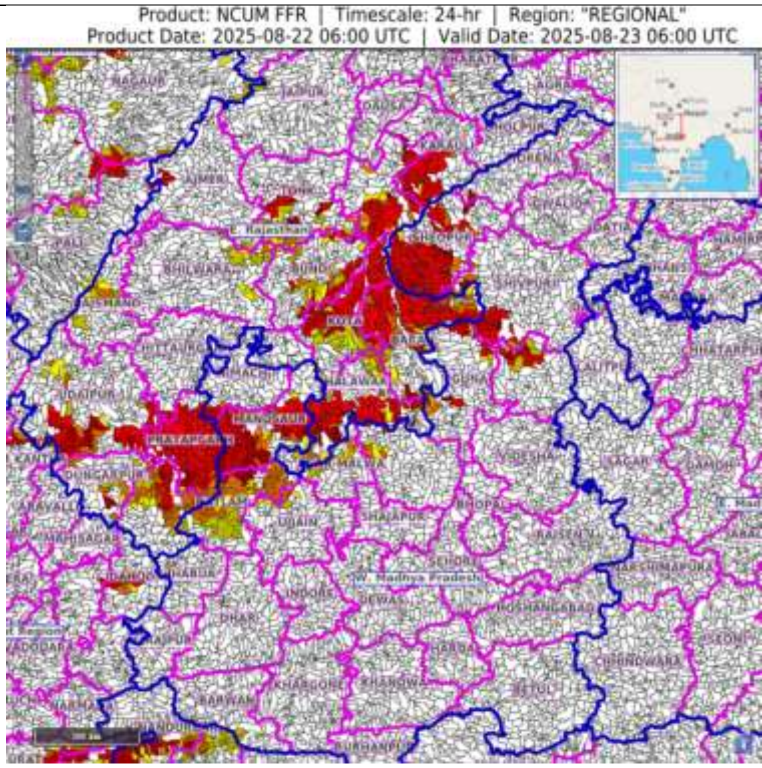
23-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। ओडिशा - अंगुल, मयूरभंज, केंद्रपाड़ा, केंदुझर, देवगढ़, ढेंकनाल और सुंदरगढ़ जिले। झारखंड - बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गुमला, गढ़वा, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	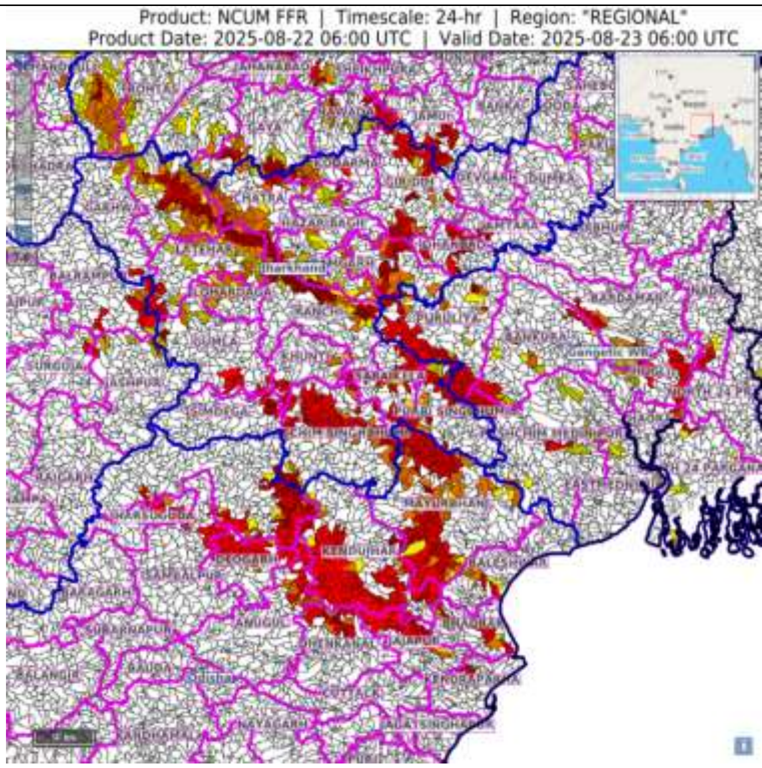

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

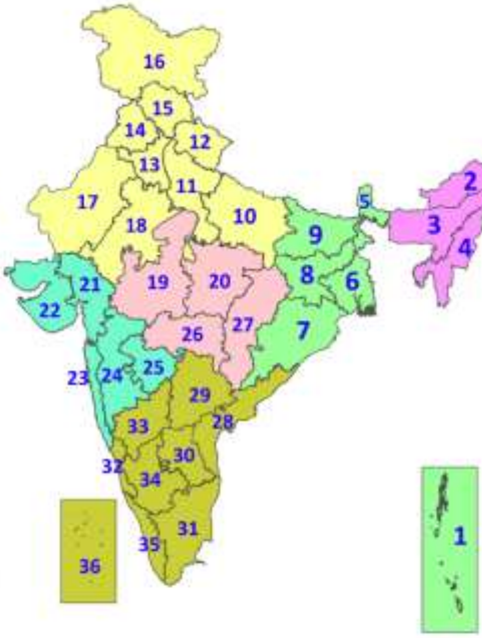

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)